वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 100 | शनिवार 3 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 1913 करोड़ रुपए के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

आमजन से सरोकार रखने वाले विभागों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री शर्मा

जन समस्याओं के लम्बित प्रकरणों का समय पर निस्तारण कर सूचित भी करें, जलदाय विभाग के सांगानेर एईएन और जेईएन को काम में लापरवाही के चलते हटाया

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रशासन आमजन की हर समस्या के समाधान का अंतिम पड़ाव है। ऐसे में वे राज्य सरकार की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। उन्होंने कहा कि आमजन से सरोकार रखने वाले विभागों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे न केवल नियमित रूप से जनसुनवाई करें बल्कि उनकी हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कर उन्हें सूचित भी करें। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं में गति लाने के लिए आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य के विकास और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सांगानेर-प्रताप नगर में 132 केवी जीएसएस का निर्माण, विद्युत लाइनों को भूमिगत करना तथा कृष्णा सिटी, बालाजी विहार, नीमडी वाले बालाजी पत्रकार कॉलोनी रोड एवं चकरोल रामनगरिया विस्तार में 33 केवी सब स्टेशन स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही को समयबद्ध पूरा करें। मुख्यमंत्री ने भांकरोटा फ्लाई ओवर तथा कमला नेहरू फ्लाई ओवर का शेष कार्य शीघ्रता से पूरा करवाने के लिए इसकी नियमित मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान ऊर्जा, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग से संबंधित 1913 करोड़ रुपए से अधिक के 65 कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेडीए और नगर निगम समन्वय बना कर साफ-सफाई, सीवरेज, सड़क सहित विभिन्न कार्यों को पूरा करें ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने सांगानेर स्टेडियम के समुचित विकास और क्षेत्र के पार्कों का उचित रख-रखाव किए जाने के भी निर्देश दिए।

न्यायालय में प्रकरण लम्बित होने के कारण न हो अनावश्यक देरी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट्स में अनावश्यक देरी को कम करने के लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया जाए। साथ ही, नियमित अंतराल में प्रगति की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि न्यायालय में प्रकरण लम्बित होने के कारण परियोजनाओं को पूरा करने में अनावश्यक देरी न हो, इसके लिए हर 15 दिन में संबंधित एजी-एएजी के साथ बैठक कर ऐसे प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की जाए।

उन्होंने कहा कि ''विरासत भी, विकास भी'' के विजन को ध्यान में रखते हुए सांगानेर क्षेत्र के पुरातात्विक महत्व के गेटों की मरम्मत कर इनका सौंदर्य कार्य करवाया जाए।

नल कनेक्शन के आवेदनों की पेंडेंसी खत्म करने के निर्देश

शर्मा ने सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में नल कनेक्शन के आवेदन लम्बित होने पर नाराजगी जताते हुए क्षेत्र के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता को काम में लापरवाही के चलते हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को शिविर लगाकर लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नल कनेक्शन के लिए आवेदन की प्रक्रिया का सरलीकरण करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रव्यवती नदी जयपुर के एक बड़े हिस्से से होकर गुजरती है। बजट में द्रव्यवती नदी का विकास करने के लिए नवीन योजना बनाने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर समय पर इसका सौन्दर्यकरण तथा मरम्मत सुनिश्चित करें। शर्मा ने राजस्व, स्वायत्त शासन, जल संसाधन तथा नगरीय विकास विभाग के अधिकारियों को भी सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने भी बैठक में शामिल होकर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को लेकर अपना फीडबैक दिया। बैठक में कमला नेहरू नगर स्थित नाले पर आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिया निर्माण, डिग्गी रोड तक 2 किमी लिंक रोड को 200 फीट चौड़ा करने, पृथ्वीराज नगर (उत्तर) में ड्रेनेज एवं सीवरेज की समुचित व्यवस्था, सांगानेर में मिनी सचिवालय बनाए जाने, महारानी फार्म-अग्रवाल फार्म की पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने, सांगानेर में जैन अतिशय क्षेत्र के रास्ते में से मीट की दुकानों को दूर हटवाने के सुझाव भी प्राप्त हुए। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

महावीर पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय भव्य वार्षिक प्रदर्शनी कन्वर्जेंस का आरंभ

प्रदर्शनी में करीब 700 परियोजनाएं, मॉडल और जीवंत मॉडल शामिल थे, प्रदर्शनी मे लगभग 1400 बच्चों ने भाग लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर महावीर शिक्षा परिषद सी-स्कीम, जयपुर द्वारा संचालित महावीर पब्लिक स्कूल सी स्कीम जयपुर में 2 व 3 अगस्त को नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों के नवाचार और रचनात्मकता को एक भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया और साथ ही छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस ए.आई.लैब, इंटरैक्टिव शिक्षण के माध्यम से गणित की गहरी समझ और प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए मैथ्स लैब व नवीन उपकरणों और संसाधनों के माध्यम से छात्रों के भूगोल के ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ज्योग्राफी लैब का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि हेमंत मीणा (कैबिनेट मंत्री, राजस्व विभाग, राजस्थान सरकार) के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर तथा रिबन काटकर किया गया।इस प्रदर्शनी के गेस्ट ऑफ ऑनर कालीचरण सर्राफ (सदस्य, राजस्थान विधानसभा) रहे। संस्था के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी , उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया एवं सुरेंद्र पांड्या, संयुक्त मंत्री कमल बाबू जैन , कोषाध्यक्ष महेश काला , संयोजक सुदीप ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्य विनोद कोटखावदा,मनीष बैद, प्रमोद पाटनी, रुपिन काला, सुनील पहाड़िया, संरक्षक अशोक नेता, श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ,संस्था के पूर्व अध्यक्ष नरेश कुमार सेठी, समाज के गणमान्य सदस्य विवेक काला, पदम बिलाला, प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया । मुख्य अतिथि के आगमन पर शास्त्रीय संगीत की मधुर धुनों ने वातावरण को संगीतमय कर दिया। मुख्य अतिथि ने कार्यकारिणी सदस्यों तथा प्राचार्या के साथ इस भव्य प्रदर्शनी का मुआयना किया।इस अवसर पर राजकुमार कोठारी, एडवोकेट हेमंत सोगानी , यश कमल अजमेरा, राजेश बड़जात्या, सुनील - मीना चौधरी, शाबाश इंडिया के संपादक राकेश - समता गोदिका,

जैन सभा अध्यक्ष सुभाष चंद पांड्या, सुधीर गंगवाल, राजीव गाजियाबाद, नवीन संघी आदि अनेक गणमान्य समाज जन उपस्थित थे। प्रदर्शनी की इस श्रृंखला में करीब 700 परियोजनाएं, मॉडल और जीवंत मॉडल शामिल थे, जिसमे 1400 बच्चों ने भाग लिया। जिनमें से प्रत्येक में बेहतर लचीलापन, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी एकीकरण और बहु वैकल्पिक दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। प्रदर्शनी में विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, फ्रेंच, कॉमर्स, कंप्यूटर विज्ञान, ज्योग्राफी, ए.आई. ,लीगल स्टडी आदि कई विषयों से संबंधित अनेक प्रभावशाली परियोजनाएं प्रदर्शित की गईं, जो कि छात्रों के ज्ञान को एकीकृत करने की क्षमता को दर्शा रही थीं। प्रदर्शनी के प्रमुख विषय इस प्रकार रहे- एटीएम मशीन मॉडल, चॉकलेट्स , स्नेक्स क्रंची बाइट्स आदि का वेंडिंग मशीन का मॉडल, स्टार्टअप जोन में छोटी-छोटी वस्तुओं का व्यापार,भारत में सरकारी सहायता से हाइड्रोपोनिक खेती की बढ़ती हुई लोकप्रियता, भारत के चंद्रयान-3 मिशन का चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक प्रक्षेपण, मुंबई 2050 तक भारत का पहला नेट जीरो सिटी, मुंबई का कार्बन उत्सर्जन को कम करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, नवीन व आधुनिक ऊर्जा परियोजनाएं, आयुष्मान भारत कार्यक्रम का 10 मिलियन लाभार्थियों तक पहुंचाना, चिकित्सा उपचार हेतु सरकारी स्वास्थ्य सेवा पहल, 2025 तक 500 मिलियन भारतीयों को कवर करने की योजना, चीन की विकास रणनीति, आय का चक्राकार प्रवाह, बैंकिंग प्रणाली में ऋण सृजन, भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं , ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के अलावा रोजगार के विभिन्न अवसरों पर कार्यशीलता, नई शिक्षा नीति में बढ़ता संस्कृत का महत्व आदि। प्राइमरी कक्षा के छोटे-छोटे बच्चों ने फैशन शो के माध्यम से स्टोरी के पात्रों का सजीव चित्रण किया। प्रदर्शनी में छात्रों की रचनात्मकता और कड़ी मेहनत ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। मुख्य अतिथि हेमंत मीणा, गेस्ट ऑफ ऑनर कालीचरण सर्राफ , कार्यकारिणी सदस्यों, प्राचार्या , अभिभावकों , विभिन्न स्कूलों से आए छात्रों व अध्यापकों आदि कई दर्शकों ने नवाचार को बढ़ावा देने और शिक्षा को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के लिए छात्रों की और विद्यालय प्रशासन की अत्यधिक प्रशंसा व सराहना की। यह प्रदर्शनी स्कला एकीकृत शिक्षास पर आधारित रही, जिसमें बच्चों ने स्करके सीखनास शिक्षण कौशल का प्रयोग करके अपनी मानसिक प्रतिभा का सजीव चित्रण किया । इस भव्य प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना, शिक्षा प्रणाली को लचीला बनाना, बच्चों को अनुशासन सीखाना, एजुकेशन पॉलिसी को पारदर्शी बनाना, बच्चों की नई-नई सोच को क्रिएटिविटी देना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विकास करना, विषयों के शोध पर ज्यादा ध्यान देना, भाषा की बारीकियों को समझना, बच्चों के बौद्धिक विकास का सशक्तिकरण करना और उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न करना आदि थे। इस भव्य प्रदर्शनी में पर्यावरण को शुद्ध रखने का संदेश दिया गया है। दर्शक अतिथि गणों व अभिभावकों को मिट्टी के गणेश जी एवं छोटे-छोटे पौधे वितरित किए गए हैं।

@ पेज 3 पर

महावीर पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय भव्य वार्षिक प्रदर्शनी कन्वर्जेंस

श्री दिगंबर महावीर शिक्षा परिषद सी-स्कीम, जयपुर द्वारा संचालित महावीर पब्लिक स्कूल सी स्कीम जयपुर में 2 व 3 अगस्त को नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों के नवाचार और रचनात्मकता को एक भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया...

वेद ज्ञान

नियम पालन

पूरा ब्रह्मांड नियम से बंधा हुआ है और नियम के बिना सब कुछ स्थिर है। प्रकृति की तरह मनुष्य को भी व्यवस्थित जीवन जीने के लिए नियमों का पालन करना होता है। जो मनुष्य नियमबद्ध तरीके से जीवन जीता है, उसका जीवन आनंदमयी रहता है, जबकि इसके विपरीत नियमरहित जीवन जीने वाले मनुष्य को एक समय के बाद अपना जीवन भार लगने लगता है। प्रकृति भी जब अपने नियम से हटती है, तब विकराल घटनाएं घटती हैं और विध्वंस होता है। ऐसे में प्रकृति और जीवन दोनों में नियमबद्धता आवश्यक है। किसी भी तरह का सृजन नियम के बिना नहीं हो सकता और यह सब सहजता से होता है। जिस तरह बीज एक दिन में ही पेड़ नहीं बनता, उसी तरह मनुष्य के प्रत्येक कार्य में भी सहजता होनी चाहिए। मनुष्य को कठिनाई महसूस करने के बजाय सतत रूप से प्रयासरत रहना चाहिए। उसे अपनी सभी इच्छाओं और अभिलाषाओं को त्यागकर कर्म करना चाहिए और अपने मन में यह विश्वास कायम करना चाहिए कि यदि किसी कारणवश वह उचित फल प्राप्त करने में असफल होता है तो वह निराश-हताश नहीं होगा, बल्कि पुनः प्रयासरत रहेगा। हो सकता है कि प्रकृति ने उसके लिए इससे भी अच्छा सोच रखा हो। दरअसल मनुष्य को भौतिक वस्तुओं को प्राप्त करने का मोह त्याग देना चाहिए। हालांकि इसका अर्थ यह भी नहीं है कि वह अपने उद्देश्यों को ही छोड़ दे। उसे केवल परिणाम के प्रति मोह को त्याग करना चाहिए। मनुष्य जैसे ही परिणाम के प्रति मोह छोड़ देता है, वैसे ही वह अपने उद्देश्य को अनासक्ति से जोड़ लेता है। तब वह जो कुछ भी चाहता है, वह उसे स्वतः मिल जाता है। मनुष्य के जीवन में लक्ष्य जरूर होना चाहिए। इससे मनुष्य को जीवन का उद्देश्य पता चलता है और इससे उसके जीवन में स्थिरता आती है। इसके विपरीत लक्ष्यविहीन मनुष्य पशुवत जीवन जीता है। मनुष्य का लक्ष्य क्या हो, इस संबंध में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि मुक्ति को प्राप्त करना ही हमारा चरम लक्ष्य होना चाहिए। प्रकृति की तरह मनुष्य को भी विनिमय के नियम को अपनाना चाहिए यानी देने और लेने का नियम।

संपादकीय

मौसम की मार...

भारत का मौसम की मार से प्रभावित और चिंतित होना स्वाभाविक है। उत्तर भारत में कुल्लू से लेकर दक्षिण के केरल तक कई जगह त्रासद मंजर सामने आए हैं। विशेष रूप से उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में बुधवार को जिस तरह से मूसलाधार बारिश हुई है, उससे चिंता का बढ़ना स्वाभाविक है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 24 घंटे में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इतने ही समय में देश के सात राज्यों में 32 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए हैं। जिस तरह हिमाचल में पचास से ज्यादा लोग लापता हैं, दस से ज्यादा की मौत हो गई है, उससे भी त्रासद स्थिति केरल के वायनाड में बनी हुई है। बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या वहां 300 का आंकड़ा छूने वाली है। अभी भी 100 से ज्यादा लोग वहां लापता हैं। क्या इन मौतों से बचा जा सकता था? यह बहस का विषय है और कोई भी इस त्रासदी या किसी तरह की लापरवाही की जिम्मेदारी नहीं लेगा। केंद्र सरकार और केरल सरकार के बीच जो दुखद आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं, उनसे आगे बढ़ने की जरूरत है। यह समय सतर्कता और सुधार का है। दरअसल, भारत में मौसम को समग्रता में समझने और उसके अनुकूल व्यवहार करने की जरूरत है। कभी खूब गर्मी, सूखा, तो कभी खूब बारिश, क्या ऐसे विरोधाभास को सहज ही स्वीकार करना चाहिए? मौसम की विचित्रता बढ़ती चली जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को बताया कि रात के तापमान के मामले में भारत में सबसे गर्म जुलाई माह का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। औसत तापमान के मामले में बीती जुलाई 1901 के बाद दूसरी सबसे गर्म जुलाई रही है, जबकि देश के कुछ हिस्सों में असामान्य वर्षा हुई है। जुलाई के आंकड़ों पर अगर हम गौर करें, तो बिहार, झारखंड, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में जुलाई महीने में 20 से 59 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज हुई है। पूर्वोत्तर में भी सिक्किम और मेघालय को छोड़ दीजिए, तो बाकी जगह कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड में कमोबेश सामान्य बारिश रही है। जुलाई के महीने में केवल गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक ही हैं, जहां खूब वर्षा हुई है। बिहार और झारखंड के अनेक इलाकों में खेतों के सूखने की खबर है। धान के पौधों को पानी चाहिए, अगर पानी न बरसा, तो उपज पर असर पड़ जाएगा। यही कामना रहती है कि आवश्यकता के अनुरूप बारिश हो, पर ऐसा होता कहां है? अब एक बड़ा सवाल यह है कि अगस्त कैसा बीतेगा? मौसम विभाग की मानें, तो अगस्त में देश में मासिक वर्षा 94 प्रतिशत से 106 प्रतिशत के बीच सामान्य सीमा में रहने की संभावना है। मतलब, कहीं बहुत ज्यादा, तो कहीं बहुत कम बारिश से इनकार नहीं किया जा सकता। यहां सबसे बड़ी चिंता यह है कि वर्षा जनित हालात को जानलेवा बनने से कैसे रोका जाए?

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जिम्मेदार कौन?

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जब हादसे की पृष्ठभूमि बन रही होती है, तब सरकारी महकमे नींद में खोए रहते हैं या फिर किसी परोक्ष कारण से उसे नजरअंदाज करते रहते हैं और जब कोई बड़ी त्रासद घटना हो जाती है तब वे जरूरत से ज्यादा सक्रिय दिखते हैं। अफसोसनाक यह भी है कि जो इमारतें अपनी बुनियाद में ही हादसे की जमीन साथ लिए होती हैं, उनके निर्माण के समय या फिर बाद में उनमें नियम-कायदों को ताक पर रख कर संचालित गतिविधियों की इजाजत दी जाती है और जब वहां हुए हादसे में जानमाल के नुकसान का मामला तूल पकड़ लेता है तब आनन-फानन में दिशाहीन कार्रवाई करने का दिखावा किया जाता है। यह एक तरह से गलत तरीके से या लेनदेन आधारित लाभ पहुंचाने की अघोषित व्यवस्था है, जिसके नतीजे में कोई त्रासदी सामने आती है! राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बरसात का पानी भर जाने की वजह से भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले तीन विद्यार्थियों की मौत की घटना इसी का उदाहरण है। इस मसले पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की नीतियों की सख्त आलोचना की और कहा कि आप बहुमंजिला इमारतों की मंजूरी दे रहे हैं, लेकिन नाली की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि जब ह्वारेवड़ी बांटने की संस्कृतिह्व के कारण कर संग्रह नहीं होता है तब ऐसी त्रासदियां होना स्वाभाविक है। जाहिर है, अदालत ने एक तरह से समस्या के कुछ बुनियादी कारणों की बात की, जिन पर अगर समय रहते गौर किया गया होता तो शायद हादसे की नौबत नहीं आती और न विद्यार्थियों की जान जाती। यह छिपा नहीं है कि जब इमारतें बन रही होती हैं, तब उसमें नियम-कायदों को ताक पर रख कर भी अपनी सुविधा के मुताबिक निर्माण करा लिया जाता है। इस बात की फिक्र नहीं की जाती है कि यही लापरवाही भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी की वजह बन सकती है। इसमें सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारियों की भी मिलीभगत या अनदेखी होती है, जो ऐसे निमार्णों को रोकते नहीं या फिर कई बार नियमों के विरुद्ध इजाजत दे देते हैं। हैरानी की बात यह है कि जब इन वजहों से कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है और उस पर जनआक्रोश उभर जाता है, तब पूरी तेजी से कार्रवाई होती देखी जाती है। इस क्रम में कई बार दिखावे की कार्रवाई करके असली जिम्मेदार लोगों को एक तरह से बचाने की कोशिश की जाती है। राजेंद्र नगर के बेसमेंट में हुए हादसे के बाद वहां सामने की सड़क से गुजरते एक वाहन चालक को बिना देरी किए गिरफ्तार किया गया, मगर उन अधिकारियों के खिलाफ इतनी ही तेज कार्रवाई करना जरूरी नहीं समझा गया, जिनकी अनदेखी, लापरवाही या फिर इजाजत से बेसमेंट में पुस्तकालय चल रहा था। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस पहलू पर भी सवाल उठाया है। अब दिल्ली सरकार की ओर से यह कहा गया है कि राजधानी में संचालित कोचिंग केंद्रों को नियंत्रित करने के लिए कानून लाया जाएगा। उपराज्यपाल ने भी शहर में कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की। सवाल है कि अब तक कोचिंग सेंटरों की गतिविधियों को किस आधार पर सुरक्षा संबंधी जरूरी उपायों पर अमल करने की बाध्यता से बख्शा गया था और सरकारों की नींद किसी बड़ी त्रासदी के बाद ही क्यों खुलती है!

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप द्वारा तीर्थंकरों की जन्मभूमियों की यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर के सदस्य 27जुलाई को प्रातः तीर्थंकरों की जन्मभूमियों के दर्शन के लिए दुगार्पुरा जैन मंदिरजी के दर्शन कर रवाना हुए। सबसे पहले कम्पिलाजी पहुंचे।वंहा पहुंच कर मंदिरजी में भगवान विमलनाथ की खडगासन प्रतिमा व अन्य सभी वेदियों के दर्शन किये तथा पास ही बनी विशाल धर्मशाला को देखा।वंहा से श्रावस्ती पहुंचे जंहा भगवान सम्भवनाथ का अभिषेक किया व भोजन किया।फिर अयोध्या पहुंच कर बडे मंदिर में भगवान आदिनाथ की 31फीट उतंग प्रतिमा के डां एम एल जैन ₹ मणि ₹अध्यक्ष तीर्थंकर ग्रुप ने बोली के माध्यम से अभिषेक व शान्तिधारा की ,बाद में सभी ने आदिनाथ विधान किया व शेष दो मंदिरों के जो उसी केम्पस में बने हुये हैं,उनके दर्शन किए व नये बन रहे तीनलोक व अन्य मंदिरों के निर्माण को देखा । अन्य चार तीर्थंकरों की जन्म भूमियों के दर्शन करने केम्पस से बाहर 7मंदिरों के दर्शन किए। इनमें अजित नाथ, अभिनन्दन , अनन्तनाथ व सुमतिनाथ की जन्म भूमियों के दर्शन किए। बाद में सभी सीनियर सिटिजन कुर्सी पर बैठकर रामलला के दर्शन करने गये। वंहा सीनियर सिटिजन के लिए वी आई पी व्यवस्था कर रखी है। अयोध्या से रतनपुरी 30 किलोमीटर गये व धर्मनाथ जी की जन्मभूमि के दर्शन किए।बाद में सारनाथ सिंहपुरी में भगवान श्रेयांसनाथ की जन्मभूमि के दर्शन किए। यहां सभी जगह रात 7बजे पूर्व ही दर्शन कराये जाते हैं।फिर चन्द्रपुरी में दर्शन के लिए बात की तो मैनेजर ने मना कर दिया बोला मेरा बच्चा गिर गया डाक्टर के दिखाने जा रहा हूं। डां मणि ने अपना पूरा परिचय दिया व कहा यदि सम्भव होगा तो मैं आते ही आपके बच्चे का इलाज कर दूंगा ।इस पर मैनेजर पंकज व उसकी धर्मपत्नी प्रियांसी तैयार हो गये व हमारे अनुरोध पर रात 9बजे मंदिरजी खोल दिया।पहुंचते ही डां मणि ने उसके बच्चे के हिमेटोमा का इलाज चालू कर दिया व चन्द्रप्रभ जी की जन्मभूमि के अतिशय से वंहा रात्रि विश्राम किया तथा सुबह अभिषेक व शान्तिधारा की तथा भगवान से उस बच्चे के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना भी की। वंहा से भेलूपुर गये जंहा भगवान सुपार्श्वनाथ की जन्मभूमि के दो जिन मंदिरों के दर्शन किए व पास ही 2 किलोमीटर पर गंगा किनारे भगवान पार्श्वनाथ की जन्मभूमि भदौनी के दो जैन मंदिरों के दर्शन किए व गंगा जी का प्रवाह देखा। ये जिन मंदिर बहुत ही तंग गलियों में है जंहा कोई साधन नहीं जा सकता।हमारे सीनियर सिटिजन्स को मंदिर जी के कर्मचारियों ने स्कूटर से बैठाकर दर्शन कराये। वहां से प्रयागराज भगवान आदिनाथ की तपोस्थली पहुंचे। छोटी टेकरी पर भगवान आदिनाथ के व कैलाशपर्वत, दीक्षास्थली व समोशरण व गुभा मंदिर के दर्शन किए व भोजन किया फिर कोशाम्भी के लिए रवाना हुये। कोशाम्भी में भगवान पदमप्रभू की अतिप्राचीन मूर्ती के दर्शन किए जहां उनके दो कल्याण हुये हैं,व शेष दो वंहा से 13किलोमीटर दूर प्रभाषगिरी में हुये हैं।प्रभाषगिरी पहुंच कर वंहा के चार जिनमन्दिरों के दर्शन किए जिनमें एक पारणा मंदिर भी है,जंहां भगवान का अहार हुआ।राञी विश्राम के पश्चात सुबह प्रभाषगिरी पर्वत पर बने दो मंदिरों के दर्शन करने गये।पर्वत पर 200सीढियां है,चढाई आसान है।यंहा भोजन कर शौरीपुर सिद्ध क्षेञ आ गये जो भगवान नेमीनाथ की जन्मभूमि है यहां 4 मंदिरों के दर्शन कर बटेश्वर आ गये जो 2 किलोमीटर पर ही है। इस जैन मंदिर में भगवान अजितनाथ की प्रतिमा उडकर आई है,ऐसा बताया। इसके बाद मथुरा-चौरासी गये व राञी विश्राम किया। सुबह उठकर भगवान का अभिषेक देखा तथा सभी ने भगवान अजितनाथ व जम्बूस्वामी का विधान किया तथा बडी मूर्ती पदमासन जम्मूस्वामी के दर्शन किए, चौबीसी व अन्य रत्नजडित प्रतिमाओं के दर्शन किए व भुसावल आ गये।वंहा मुनीश्री युधिष्ठिर सागर जी के दर्शन कर भगवान आदिनाथ की चमत्कारिक प्रतिमा व अन्य प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन किए। इस यात्रा के पुण्यार्जक तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डां.एम.एल जैन ''मणि''-डां शान्ति जैन 'मणि',सुपर सीनियर कोषाध्यक्ष पारस मल लुहाडिया- मंजू लुहाडिया,श्रीमति शीला जैन कोटा व श्रीमति मधु छाबडा थे।अन्त में पारसजी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

त्याग की भावना से ही संगठन मजबूत बन सकता है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि

आनंद जन्मोत्सव पर 1008 तेले तप की तपस्या के प्रथम उपवास के सामूहिक होगे प्रत्याख्यान शनिवार को एएमकेएम में

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने शुक्रवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में आयोजित विशाल धर्मसभा मे नौ दिवसीय आनंद जन्मोत्सव के छठे दिन श्रोताओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि जहां धर्म को धर्म का यूज लिया जा रहा है, वहां धर्म कम होता जा रहा है। वह भी एक समय था जब संचार माध्यम और परिवहन व्यवस्था उन्नत नहीं थी, फिर भी सभी संप्रदायों में तालमेल, संगठन रहता था। 1939 में आचार्य आनंद ऋषि को ऋषि संप्रदाय के युवाचार्य बनाया गया। आनंद ऋषिजी अपनी संघीय व्यवस्थाओं, समाचारी में सजग थे। वे ध्यान रखते थे कि हर कार्य व्यवस्थित और समाचारी के अनुसार हो। 1942 में उन्हें आचार्य पदवी दी गई। उन्होंने कहा उससे पहले 1936 में संघ-समाज में रुचि बढे, ज्ञान के अभाव में जिनशासन कमजोर न पड़े, इसके लिए श्रुतज्ञान को बढ़ाया। आज भी कहता हूं हमारे श्रावक संघ के प्रति समर्पित हो जाए तो संघ एक हो सकता है। श्रावकों को इसके लिए पहल करनी पड़ेगी। उस समय संघ के संगठन के नाम पर आचार्य पद तक छोड़ने को तैयार रहते थे। जब तक त्याग नहीं होता, संगठन नहीं बन सकता। जब व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षा को लेकर चलता है तो संघ, संगठन टूट जाते हैं। वे अपनी महत्वाकांक्षा को एक

तरफ रखे तो संगठन मजबूत हो जाता है। इसके लिए त्याग की प्रवृत्ति जरूरी है। पांच संप्रदायों ने एक साथ मिल वीर श्रमण संघ की स्थापना की। उसके आचार्य बनने से गुरुदेव की जिम्मेदारी बढ गई। उन्होंने सभी संप्रदायों को एक साथ लाकर बिना किसी प्रांतीय भेदभाव के स्थानकवासी वर्धमान संगठन का निर्माण किया।

यदि हम अपनी विशुद्धि बढ़ाना चाहते है तो प्रभु भक्ति में समर्पित हो जाना चाहिएः मुनि श्री विनय सागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ मंदिर में चल रहे 35 दिवसीय णमोकर पैतीसी एवं जिनस्तुति विधान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है यह विधान 24 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा मुनि श्री 108 विनय सागर जी गुरुदेव के सानिध्य में सर्वप्रथम श्री जी का अभिषेक उसके पश्चात सभी विधानकर्ता परिवार एवम्-सभी उपस्थित श्रावक श्राविकाएं के स्वास्थ लाभ के लिए शांतिधारा होती है नवें दिन अर्ध चढ़ाकर णमोकर महामंत्र विधान की पूजा की गई विधान कार्यक्रम में नाचते गाते श्रद्धालुओं में णमोकर महामंत्रे से जिनेन्द्र देव भगवान की अरधाना की कार्यक्रम के अंत में जिनेन्द्र देव भगवान की महाआरती की गई इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में जिन मंदिर जीर्णोद्धारक संत, प्रशांत मूर्ति श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर जी गुरुदेव ने कहा कि धर्म की आराधना करके जीवन में अपने भावों को उज्जवल बनाना चाहिए हमारे भाव पवित्र वा पावन होने चाहिए हमारे भावो की स्थिति ही हमारा गुणस्थान तय करेंगे हम चाहते है की उच्च गुण स्थान की प्राप्ति हो तो अपने भाव भी उत्तम रखने होंगे आगे मुनि श्री ने कहां की यदि हम अपनी विशुद्धि बढ़ाना चाहते है तो प्रभु भक्ति में समर्पित हो जाना चाहिए ओर भगवान से अपनी दूरियां घटाने का प्रयास करते हुए धर्म आराधना में लगे रहना चाहिए। निरन्तर प्रभु की भक्ति करते रहेंगे तो निश्चित रूप से एक दिन अपने भावों को विशुद्ध करते हुए राग, द्वेष,मोह, अभिमान को कम करते हुए मोक्ष मार्ग की तरफ प्रशस्त होंगे।

पीठ पर लगी चोट का उपचार कराया शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मर्म चिकित्सा से

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय विधानसभा भवन में पीठ पर लगी चोट का उपचार शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मर्म चिकित्सा से कराया। आयुर्वेदाचार्य पियूष त्रिवेदी ने बताया कि कल सुबह पैर स्लिप होने के कारण शिक्षा मंत्री चोटिल हो गये थे । उन्होंने विधानसभा स्थित आयुर्वेद चिकित्सालय आकर डॉ पीयूष त्रिवेदी एवं उनकी सहयोगी टीम से मर्म चिकित्सा उपचार लिया। साथ में विधायक जसवंत सिंह यादव भी मौजूद थे उन्होंने भी कमर दर्द का उपचार लिया।

गुरु उपदेश से सैकड़ों भक्तों ने किया नशीली वस्तुओं का त्याग

मुक्ति पाने का सबसे सरलतम उपाय है भक्ति : आचार्य श्री विमर्शसागर जी

कृष्णानगर दिल्ली. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर कृष्णानगर में चातुर्मास हेतु पधारे, विशाल संघ के अधिनायक, जिनागम पंथ के प्रवर्तक, जीवन है पानी की बूँद' (महाकाव्य) के मूल सृजेता भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महासुनिराज के मुखारबिन्द से प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से श्री भक्तामर महिमा पर विशेष व्याख्यान माला प्रारंभ हो चुकी हैं। सुख, शान्ति, समृद्धि दायक अतिशय भारी श्री भक्तामर स्तोत्र के प्रथम काव्य का विस्तार से वर्णन करते हुये पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि- भक्ति ही भक्त को भगवान से मिलाने वाला प्रबल सेतु है। किसी ने पूछा कि संसार के दुखों से मुक्त होने का सरलतम उपाय क्या है? आचार्य भगवन कहते हैं संसार के दुखों से मुक्ति का सबसे सरलतम उपाय है- भक्ति । भावों की शुद्धि का श्रेष्ठतम उपाय भक्ति हैं। जिसके हृदय में परमात्मा के गुणों के प्रति भक्ति का भाव हो, जिसके हाथ में जिनवाणी की भक्ति है, गुरु के प्रति जिसका हृदय भक्ति से भरा है उसके भाव स्वयं ही विशुद्धतम होते चले जाते हैं। जीवन में उपलब्धियाँ उन्हीं को प्राप्त होती हैं जिनके हृदय में भक्ति निवास करती है। भक्ति के बिना जीवन सूना है, जिसके हृदय में भक्ति है उसका जीवन सोना ही सोना है, उसका हृदय अमृत घट बन जाता है। जब भगवान के प्रति अंतस में गहन समर्पण का भाव आता है तो प्रभु भी भक्ति में वह भक्त अपनी सुध बुध सब खो देता है। उसके नयनों में सिर्फ परमात्मा का अक्स समाहित रहता है उसे हर जगह सिर्फ परमात्मा ही परमात्मा नजर आता है, फिर इस भौतिक जगत का आकर्षण उसे लुभा नहीं पाता। आचार्य श्री ने कहा कि भक्ति की प्रथम शर्त है नमन। है अगर भक्ति हृदय में होगी तो नमस्कार का भाव आयेगा ही आयेगा। भगवान के चरणों में वहीं झुक सकता जिसने अपने अहंकार को जीत लिया है। जीवन में उठना है तो पहले झुकना सीखना होगा। जो जितना- जितना परमात्मा के चरणों में नतमस्तक होता जाता है उतना- उतना लोक में'उसका मस्तक उतना उतना ऊपर उठता जाता है। आचार्य श्री ने अपने उपदेश में नशीले पदार्थों के त्याग पर जोर दिया जिससे प्रभावित हो समाज के सैकड़ों लोगों ने गुटखा, बीड़ी सिगरेट, तम्बाकू आदि वस्तुओं का आजीवन त्याग करने का संकल्प लिया।

कान में होती है सनसनाहट? इन घरेलू उपायों से पाएं छुटकारा

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

कान में सनसनाहट की समस्या से कई लोगों को परेशान होती है। यह बहुत आम समस्या है और जो लोग इससे परेशान रहते हैं, उनके लिए अपने रेगुलर वर्क करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कान में सनसनाहट व्यक्ति को असहज करती है और अन्य कामों को करने में बाधा डालती है। कान में सनसनाहट होने की एक वजह, कान में सिटी-सी आवाज आना भी है। इससे बचने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि आप डॉक्टर के पास जाएँ और अपना अच्छी तरह से इलाज करवाएं। हालाँकि, जीवनशैली में बदलाव कर, खानपान की आदतों में सुधार कर और कुछ सामान्य घरेलू उपाय आजमाकर आप इस समस्या से निपट सकते हैं।

कान में सनसनाहट की वजह को पहचानें

कान में सनसनाहट वैसे तो गंभीर बिमारियों का लक्षण हो सकती है, जैसे बीपी बढ़ना, किसी चीज से एलर्जी या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं। लेकिन, ऐसे में जब आप यह जान लेने की कोशिश करते हैं कि किन वजहों से कान में सनसनाहट की समस्या बढ़ जाती है, तो आप इससे कुछ हद तक निपटने में सक्षम हो सकते हैं। इसके लिए, सबसे पहले आप उन चीजों को जानने की कोशिश करें कि क्या चीजें हैं, जो इसे ट्रिगर करती हैं। उदाहरण के तौर पर, खानपान की कोई चीज, नशीले पदार्थ, दवाईयां आदि। इस तरह की चीजों से दूर रहकर आप अपनी समस्या को कम कर सकते हैं। इसके अलावा, शराब, एस्पिरिन जैसी दवाई और नमक कान में सनसनाहट की समस्या को बढ़ावा दे सकते हैं।

कान में सनसनाहट से बचने के लिए आप निम्न उपाय आजमा सकते हैं...

कान में सनसनाहट की समस्या को कम करने के लिए मरीज को चाहिए कि वो ऐसी जगहों में जाने से बचें, जहाँ बहुत शोर होता है या तरह-तरह की आवाजें आती हैं। दरअसल, कान में सनसनाहट से परेशान व्यक्ति जब शोर भरे इलाके में जाता है, तो इससे उसकी परेशानी बढ़ जाती है। कान में सनसनाहट की समस्या अक्सर तब गंभीर रूप ले लेती है, जब व्यक्ति शांति प्रिय जगह में बैठता है। लेकिन, कान में सनसनाहट के मरीज के लिए शांत जगह में बैठकर आराम करना काफी मुश्किल हो जाता है, क्योंकि उनकी परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है। सवाल है, ऐसे में आप क्या कर सकते हैं ? विशेषज्ञों की राय, मानें, तो इस स्थिति में मरीज को अकेले में बैठकर मंद आवाज में म्यूजिक या गाने सुनने चाहिए। इससे मरीज का ध्यान भटकता है और परेशानी भी कम हो जाती है।

कान में सनसनाहट से बचने के लिए रिलैक्स करें

कान में सनसनाहट की समस्या को आप परेशान रहकर खत्म नहीं कर सकते हैं और इसकी कोई दवा भी नहीं है, जो इस परेशानी से आपको मुक्ति दिला सके। ऐसे में, आपको खुद को रिलैक्स रखना चाहिए। असल में, कई बार कान में सनसनाहट होने की वजह अतिरिक्त तनाव और परेशानी भी हो सकती है। इन सबसे दूर रहने के लिए रिलैक्स करना जरूरी है। जब आप रिलैक्स करते हैं, तो अपने तनाव का स्तर कम होता है और मन शांत रहता। इस तरह आपके कान में सनसनाहट की परेशानी में भी कमी आती है। रिलैक्स रहने के लिए आप कई तरह के उपाय आजमा सकते हैं, जैसे 15 मिनट के लिए डीप ब्रीथिंग एक्सरसाइज करें, योग करें, मैडिटेशन,एक्यूप्रेशर उपचार भी कर सकते हैं।

कान में सनसनाहट से बचने के लिए पर्याप्त नींद लें

कान में सनसनाहट की परेशानी तब और बढ़ जाती है, जब आप अच्छी नींद नहीं लेते हैं। यहाँ तक की कई बार नींद की कमी की वजह से कान में सनसनाहट की तकलीफ बढ़ने लगती है। समस्या के बढ़ने से नींद में भी खलल पड़ने लगता है। इस तरह की स्थिति से बचने के लिए जरूरी है कि आप समय पर सोना और अच्छी तथा गहरी नींद लेने को अपनी आदत का हिस्सा बनाएं। ऐसा कैसे कर सकते हैं ? इसके लिए सोते समय अपने घर के माहौल में परिवर्तन कर सकते हैं, जैसे कमरे की बत्ती बंद करना, हल्का-सा म्यूजिक चलाना, फोन को खुद से दूर रखना आदि। आयुर्वेद में निद्रालु दवाई,सारिवादी वटी, ब्राह्मी वटी से राहत मिलती है।

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर के वार्षिक चुनाव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर के वार्षिक चुनावों में कार्यकारिणी समिति के 3 सदस्यो के

चुनाव भट्टारकजी की नसियां में चुनाव अधिकारी अनिल कुमार जैन (Retd.IPS) के निर्देशन में सम्पन्न हुए । जिसमें V सुरेश भौंच, प्रदीप गोधा एवं राकेश छाबड़ा विजयी घोषित किए गए। अध्यक्ष महेश काला एवं मंत्री भानु छाबड़ा ने बताया कि चुनाव से पूर्व साधारण सभा का अधिवेशन संपन्न हुआ जिसमें मण्डल की वार्षिक रिपोर्ट, आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। मंडल के सदस्यों एवं परिवार जनों की सामूहिक गोठ आगामी रविवार 04अगस्त को संघी जी की नसियां,(खानिया)आगरा रोड पर होगी।

बैठक में श्री सम्मेद शिखर जी पर हाल ही में घटित घटनाओं पर चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी व गिरनारजी मामले को लेकर अखिल भारतीय दिगम्बर जैन संस्थाएं -समन्वय समिति की बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक में श्री सम्मेद शिखर जी पर हाल ही में घटित चिंताजनक घटनाओं पर विस्तृत चर्चा व विचार-विमर्श किया गया। बैठक में दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक जैन बड़जात्या व राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पांडया, भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल व राष्ट्रीय महामंत्री प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या, भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन व राष्ट्रीय महामंत्री संतोष जैन पेंडारी, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री अनिल जैन व स्थाई आमंत्रित डॉ. श्रेयांश कुमार जैन, अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद बड़ौत एड़वोकेट अभिनव जैन विशेष आमंत्रित सदस्य श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा-राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष- पवन जैन गोधा दिगम्बर जैन महासमितिडॉ. दीपक जैन-राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष समन्वयक-प्रो. डी.ए. पाटिल सम्मिलित हुए।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ का वृक्षारोपण अभियान

आयुर्वेद महाविद्यालय को उपलब्ध करवाये औषधिय पौधे

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय कोटा में वृक्षारोपण किया गया। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी और सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि आयुर्वेद महाविद्यालय के द्रव्य गुण विभाग में बारह राशियों के सत्ताइस नक्षत्र से सम्बन्धित 39 प्रकार के पौधों का सहयोग इनर व्हील क्लब कोटा नार्थ की सदस्यों द्वारा प्रदान किया गया। इनर व्हील क्लब के सदस्यों ने पर्यावरण के संरक्षण के लिए और महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के वनौषधि परिचय और उपयोग के लिए आवश्यक अरिष्टक, आमला, शरपुंखा, गुलर, शमी, अपामार्ग, बिल्व, जलवेतस, नागकेसर जैसे पौधे झालावाड़ नर्सरी से मंगवा कर महाविद्यालय के वनौषधि वाटिका में रोपण करने के लिए प्रदान किये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विष्णु जोशी व डॉ अनुपमा चतुर्वेदी ने इनर व्हील कोटा नार्थ क्लब की सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया। पौधे रेनू लालपुरिया, प्रमिला पारीक, सरोज गोयंका द्वारा दिए गए पौधारोपण अभियान मे रजनी, शशि झंवर शेला, राजबाला, दीपिका, अनीता और डॉ बावेजा ने सहयोग दिया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

अंधेरे से नहीं-अंधेरे में रखने वालों से बचिये..!

मनुष्य - जितना आधुनिक सुख सुविधाओं में जीवन जी रहा है, वह उतना ही बनावटी और कृत्रिम जीवन जीने का ढोंग रच रहा है। सब कुछ बनावटीपन का है । सफेद बाल पर काला रंग, शरीर की गन्ध को छुपाने के लिए आधुनिक सुगन्ध-स्प्रे आदि, उसके वस्त्र नकली, चेहरा नकली, हँसी नकली, रिश्ते नकली, भोजन नकली, [रंग और गन्ध से भरा बे-स्वाद] और भी बहुत कुछ नकली। मनुष्य हर तरह से बनावटीपन का जीवन जी रहा है। मनुष्य का शरीर देखने और दिखाने का ही ढांचा रह गया है। सब कुछ यांत्रिक हो गया है, आधुनिक यन्त्रों के बिना मनुष्य अब जी नहीं सकता। आधुनिक यन्त्रों के साथ जीते जीते उसका जीवन यांत्रिक हो गया है, इसलिए मनुष्य असहाय और परेशान नजर आ रहा है...!!!

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन मिलन की पंचम कोर कमेटी की बैठक संपन्न

भगवान महावीर के निर्माण वर्ष पर होगी निबंध प्रतियोगिता आयोजित

मनीष शास्त्री विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

दमोह। जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 की पंचम कोर कमेटी की बैठक मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर एड.कमलेन्द्र जैन विशिष्ट अतिथि नेमचंद सराफ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आर.के. जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महामंत्री सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर) एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया की अध्यक्षता में जैन पंचायत भवन दमोह में संपन्न हुई। मंचासीन अतिथियों द्वारा चित्र अनावरण एवं दीपप्रज्वलन एवं सामूहिक महावीर वंदना के साथ बैठक प्रारंभ हुई। बैठक के प्रारंभ में क्षेत्रीय महामंत्री कविता ऋषभ जैन पिछली मीटिंग की कार्रवाई प्रस्तुत की। इसके बाद तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550 में निर्माण वर्ष के अवसर पर आयोजित जीव दया पर चित्रकला प्रतियोगिता इसके पोस्टर का विमोचन संभागीय शिक्षा अधिकारी डॉ मनीष वर्मा द्वारा किया गया जो सागर संभाग के विभिन्न स्कूलों में आयोजित की गई जिसकी जानकारी श्रीमती अर्चना जैन संयोजक ने दी। इसके बाद अगस्त माह में भगवान महावीर निर्माण वर्ष द्वितीय प्रतियोगिता जीव दया निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर कमलेंद्र जैन द्वारा पोस्टर विमोचन के साथ प्रतियोगिता प्रभारी संजय जैन शक्कर द्वारा प्रतियोगिता के विषय में जानकारी दी गई। बैठक के द्वितीय सत्र में दमोह नगर की शाखाओं का कोर ग्रुप के सदस्यों एवं शाखा अध्यक्ष ,मंत्री, कोषाध्यक्ष, प्रचार मंत्री एवं क्षेत्रीय संयोजक की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मे करीब 50 पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक में नियमित मासिक बैठक, कार्य योजना, क्रियान्वयन, संयोजन, समीक्षा के माध्यम से शाखा के कार्यक्रम आयोजन एवं सक्रियता किस प्रकार बनाय रखे अपने विचारों से अवगत कराया, भगवान महावीर स्वामी के क वे निर्वाण वर्ष में आयोजित प्रतियोगिता जिसमें अगस्त में भाषण प्रतियोगिता, सितंबर में संतो के सानिध्य में संगोष्टी, अक्टूबर में मैराथन दौड़ कार्यक्रम आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलेश जैन ने किया। पंच परमेष्टि स्तुति के साथ बैठक सम्पन्न हुई जिसमे दमोह जिले की सभी शाखाओं के पदाधिकारी शामिल हुये। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कार्य अध्यक्ष संजय जैन शक्कर कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन भाई जी, श्रीमती मंजू सतभैया, प्रचार मंत्री मनीष विद्यार्थी,पटेरा शाखा अध्यक्ष नरेंद्र सराफ, सुधीर जैन डब्लू भैया ,महेश जैन, ऋषभ जैन स्टेशन मास्टर राष्ट्रीय संयोजक , राजेन्द्र बजाज, राजेन्द्र राही, डां जयकुमार जैन, वरिष्ठ शाखा से संतोष जैन मंत्री, जेके जैन कोषाध्यक्ष, वसुंधरा कॉलोनी महिला शाखा से शाह वंदना जैन अध्यक्ष, नेमीनगर शाखा से श्रीमती डाली जैन, सीमा जैन पदम जैन,नेहा बजाज कांच मंदिर शाखा से कल्पना जैन राष्ट्रीय संयोजका, श्रीमती वंदना सराफ राष्ट्रीय संयोजिका आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश की जनता से अभूतपूर्व प्यार और स्नेह मिला: कलराज मिश्र

नागरिक अभिनन्दन समारोह में भावुक हुए कलराज मिश्र, जयपुर की 100 से अधिक सामाजिक, नागरिक एवं व्यापारिक संस्थाओं ने कलराज मिश्र का किया नागरिक अभिनन्दन

पहली बार विदाई पर किसी राज्यपाल का हुआ नागरिक अभिनन्दन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान प्रदेश की जनता ने मुझे अभूतपूर्व प्यार और स्नेह दिया है। मुझे अपने सार्वजनिक जीवन में एक लंबा सफर तय करने का अवसर मिला । मै विधायक रहा, सांसद रहा, केन्द्रीय मंत्री रहा लेकिन राजस्थान की जनता ने राज्यपाल के रूप में जो अपनापन दिया वो अविस्मरणीय है और इस प्यार, स्नेह का जीवन भर याद रखूंगा। राजस्थान प्रदेश के लोग जिस किसी को भी चाहते हैं, तो उसे पूरा अपनाते हैं। मैं जब राज्यपाल बनके राजस्थान में आया तो प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, मंदिरों और प्रमुख संस्थानों में जाने का अवसर मिला। यहां जो अपनापन और मान सम्मान मिला और मेरे जीवन की धरोहर है। ये विचार आज होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में राजस्थान के निवर्तमान राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहे। संस्कृति युवा संस्था और जयपुर नागरिक अभिनन्दन समारोह समिति की और से आयोजित नागरिक अभिनन्दन समारोह में जयपुर की सामाजिक, नागरिक, व्यापारिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी बडी संख्या में एकत्रित हुए और 100 से अधिक संस्थाओं ने कलराज मिश्र का अभिनन्दन, स्मृति चिन्ह, कॉल, दुपट्टा, माला इत्यादी देकर किया। साथ ही संविधान पार्क की प्रसंशा की। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि कलराज मिश्र ने अपने कार्यकाल में प्रदेश की जनता को भरपूर स्नेह और सम्मान दिया साथ ही कोविड के समय अभूतपूर्व काम किया। कलराज मिश्र ने संविधान पार्क की स्थापना राजभवन में और प्रत्येक विश्वविद्यालय में कर अभूतपूर्व कार्य किया है। साथ ही सबसे अधिक दीक्षांत समारोह आपके कार्यकाल में हुये। आप सदैव सक्रिय रहे और प्रदेश भर में दौरे कर आम जन के साथ जुड़े रहे। ऐसे में जयपुर की सभी सामाजिक संस्थाओं ने निर्णय लिया कि कलराज मिश्र का नागरिक अभिनन्दन किया जाये और आज जयपुर के सभी समाजों के संगठनों के लोगों ने भरपूर प्यार, स्नेह दिया। ये अपने आप में पहली बार है कि विदाई के समय इतने सारे संगठनों ने कलराज मिश्र का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवम नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि कलराज मिश्र जी ने अभूतपूर्व कार्य किया है। इस अवसर पर स्वागताध्यक्ष गोकुल माहेश्वरी ने कहा कि कलराज मिश्र ने छोटे, बडे, अमीर का भेद मिटाया और सबको पिता तुल्य स्नेह और प्यार दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक बी.एम. शर्मा ने कहा कि आपने राज्यपाल बनते ही राजभवन के दरवाजे आमजन के लिए खोल दिये और संविधान पार्क की स्थापना कर अभूतपूर्व कार्य किया है। इस अवसर पर वर्ल्ड ट्रेड पार्क के चेयरमैन अनूप बरतरिया ने भी कलराज मिश्र जी की भूरि भूरि प्रशंसा की है। इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के संरक्षक एच.सी. गणेशिया ने अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस अवसर पर ठिकाना गोविन्द देवजी के मानस गोस्वामी, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन से प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल प्रभारी अध्यक्ष एन.के. गुप्ता, गोपाल गुप्ता महामंत्री, श्रीमती ज्योति खण्डेलवाल पूर्व मेयर एवं महिला अध्यक्ष, फोर्टी (प्रदेश का प्रमुख व्यापारिक संगठन) के अरुण अग्रवाल कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया से अध्यक्ष जगदीश सोमानी, पुष्प स्वामी, संस्कृति युवा संस्थान से दिनेश शर्मा, सुनील जैन, गौरव धामाणी, शरण बिहारी षर्मा, मुकुंद शर्मा, अक्षय पात्र फाउण्डेशन से उपाध्यक्ष रघुपति दास महाराज, क्षेत्रीय प्रबंधक राजेष कौशिक, कार्यक्रम समन्वयक जमुना जीवन दास, माहेश्वरी समाज जयपुर से अध्यक्ष केदार भाला, रामगंज व्यापार मण्डल से अध्यक्ष हुकुम चन्द अग्रवाल, अशोक सोखिया, गोविन्द धामाणी, रामकिशन, रोटरी क्लब जयपुर मेट्रो से प्रेसिडेंट डॉ. रेणू भंडारी, डॉ. डी.एस. भण्डारी, जे.के. सिंघी, श्रीमती आशा सिंघी, पं. सुरेश मिश्रा, गौरव धामाणी, श्रीमती श्वेता धामाणी, शिवा गौड़, विकास शर्मा, क्षितिज शर्मा, सुभाष बापना, अखिल राज्य टेड्र इण्डस्ट्रीज से कमल कंदोई , राजस्थान चैम्बर आफ कॉमर्स से डॉ. के. एल. जैन, एडवोकेट बी.बी.शर्मा , कायस्थ जनरल सभा जयपुर से अध्यक्ष अनूप बरतरिया आदि सैकड़ों लोगों कलराज मिश्र का अभिनंदन किया।

सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्वशांतिमहायज्ञ में किए अर्घ समर्पित

जगत कल्याण की कामना के लिए की महाशन्ति धारा, सिद्धो की आराधना का सौभाग्य बड़े पुण्य से मिलता है : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्वशांतिमहायज्ञ का भव्य आयोजन भारत परिवार के पुण्य जन में भव्य रूप से पूरे भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है जिसमें अंचल के अनेक नगरों से श्रावक श्रेष्ठी परिवार भाग लेकर दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान श्री आदिनाथ स्वामी की महा आराधना का आनंद लें रहें हैं आठ दिनो तक चलने वाले इस महा मंडल विधान में आज भक्तों ने मंडल पर अर्घो का समर्पण किया।

तीर्थ क्षेत्र दर्शनोंदय में भक्ति का अनुपम अवसर वना है: इसके पहले तीर्थ क्षेत्र कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि अशोक नगर के श्रावक श्रेष्ठी भारत परिवार द्वारा आचार्यश्री समयसागर जी महाराज एवं मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से प्रतिष्ठा चार्य श्री अंकितभइया व सतीश भइया के कुशल नेतृत्व में सिद्धो की महा आराधना रूप श्रीसिद्ध चक्र महा मंडल विधान एवं विश्वशांतिमहायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है निश्चित रूप से सिद्धो की महा आराधना का सौभाग्य बड़े पुण्य से मिलता है भारत परिवार ने पहले भी इस तीर्थ भूमि पर महा आराधना का आयोजन किया था और इस वार तो महा महोत्सव में शामिल होने के लिए दूर-दूर से भक्तों को आमंत्रित किया है तीर्थ क्षेत्र पर भगवान की भक्ति करने का अनुपम अवसर हम सब के लिए मिला है इसे संगीत की स्वर लहरियां देने अंकित भाई विशेष रूप से उपस्थित हैं हम सभी का दर्शनोदय कमेटी की ओर से अभिनंदन करते हैं।

विश्व शांति के लिए महा महोत्सव की शान्ति धारा: इस दौरान कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि अंकित भइया महा आराधना के दौरान कुछ ना कुछ हटकर कराते हैं पूर्व में भी आपने जो मार्ग दर्शन दिया उससे कमेटी अभिभूत हैं आगे भीहम आपका कुशल मार्गदर्शन चाहेंगे जिससे कि विश्व शांति महायज्ञ करने वाले भक्तों को और अधिक सुविधाएं दे सकें श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्वशांतिमहायज्ञ में आज प्रतिष्ठाचार्यश्रीअंकित भइया दारा जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा कराई गई जिसका सौभाग्य विधान पुण्यजर्कपरिवार शालूभारत संजय कुमार रिषभ कुमार राजधानीपरिवार सागर प्रमोद कुमार अंकुरजैन गंजबासौदा हुकमचंद सुनीलकुमारअप्सरा परिवार ललितपुर जिनेन्द्र कुमार विपुल कुमार बुढार शाहडौल सनत कुमार ललित कुमार ललितपुर अनिल कुमार अरविंद कुमार कटनी प्रदीप कुमार रानी पिपरई शैलेन्द्र दददा पारस गोल्डन नगर की लाइफ लाइन डा डी के जैन विनोद कुमार राजू मेडिकल हरीश जैन सहित अन्य भक्तों को मिला इसके साथ ही एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से अभिषेक किया गया।

अतिथियों का कमेटी द्वारा किया गया सम्मान : सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्वशांतिमहायज्ञ में भाग लेने वाले सभी भक्तों का कमेटी की ओर से दर्शनोदय थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का चित्र तिलक माला से कमेटी महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री प्रदीप जैन रानी शिरोमणि संरक्षण विनोद राजू मेडिकल शैलेन्द्र दददा मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा दारा सम्मान किया गया इस दौरान जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार कार्य अध्यक्ष विनय कुमार एडवोकेट आनंद गांधी मनोज कासल कवूल चन्द्र जैन गुना विशेष रूप से उपस्थित थे

मैत्री ट्रेड फेयर का हुआ भव्य शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। 2 अगस्त (शुक्रवार) को जैन भवन प्रांगण, श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर परिसर, दुर्गापुरा, टोंक रोड जयपुरमें हुआ जैन मैत्री ट्रेडफेयर का शुभारंभ। मैत्री ग्रुप अध्यक्ष सुनील बड़जात्या एवं सचिव अजय जैन ने बताया यह 3 दिवसीय ट्रेड फेयर 2 से 4 अगस्त के बीच प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक राखी एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में, विशेषकर समाज की महिला उधमियों को प्रोत्साहन करने हेतु दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर के तत्वावधान में आयोजित किया गया। जहाँ साड़ी, सलवार सूट, ज्वेलरी, राखियां, बेडशीट, जीवन बीमा, बैग, स्टेशनरी, सभी प्रकार के परिधान, खिलौने, घर के उपकरण, सजावट की वस्तुएं, किचन प्रोडक्ट, गिफ्ट आइटम,खाद्य सामग्री, RO Water, मसाले, डिजिटल मार्केटिंग व अन्य सामान उचित दरों में मिलेंगे साथ ही खरीदारी के साथ-साथ चटपटे व्यंजन का भी आनंद लिया जा सकेगा। कार्यक्रम का डिजिटल प्रचार प्रसार राजस्थान की अग्रणी डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी अरिहंत ग्लोबल सर्विसेज और मानव इनवाइट्स ने डिजिटल इन्विटेशन के द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक आलोक जैन एवं रमेश सोगानी ने बताया कार्यक्रम का उदघाटन डॉक्टर अरूण अग्रवाल (कार्यकारी अध्यक्षः फोर्टी, महासचिव राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के कर कमलों से हुआ, साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में ओमप्रकाश मोदी (समाजसेवी) एवं दीप प्रज्ज्वलन कर्ता प्रमोद जी नीना जी पहाड़िया एवम फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अनिल जैन IPS, सुरेन्द्र पांड्या, यशकमल अजमेरा, रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महासचिव निर्मल सांघी, दुगार्पुरा जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड, राजेंद्र काला, अरिहंत ग्लोबल से राहुल जैन एवं समाज के अन्य गणमान्य सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र अजमेरा एवं रितेश अजेमरा ने बताया हेल्थकेयर एसोसिएट के रूप में डॉक्टर सुनील धंड एवं टीम ने अपनी सेवाए प्रदान कर रहे है ।

ज्ञानतीर्थ टोडरमल में 47वां आध्यात्मिक शिविर 4 अगस्त से

जयपुर. शाबाश इंडिया

आध्यात्मिक षिविरों की श्रंखला में पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के बैनर तले बापू नगर ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में 47 वां आध्यात्मिक शिक्षण शिविर 4 से 11 अगस्त तक आयोजित होगा। शिविर की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। शिविर के बारे में पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार गोदिका व महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल ने बताया कि शिविर का शुभारंभ 4 अगस्त को सुबह 8बजे अचरजदेवी ओसवाल व घेवरचंद ओसवाल पीतल फेक्ट्री जयपुर ध्वजारोहण करेगी। इसके बाद शिविर का उद्घाटन प्रेमचंद-सुनीता बजाज कोटा करेंगे। मंडप उद्घाटन सुरेशचंद शिवपुरी,मंच उद्घाटन श्रीमती लीला-प्रेमचंद एडवोकेट दौसा व आचार्य कुंदकुद का चित्र अनावरण सुनील-भावना, शंतिलाल- स्नेहलता चौधरी भीलवाड़ा,आचार्य धरसेन का निषा जैन धर्मपत्नी लक्ष्मीचंद जैन जयपुर,पंडितप्रवर टोडरमल जी का कविता-प्रकाश चंद छाबड़ा परिवार सूरत व आध्यात्मिक पुरुष कानजी स्वामी का कुसुम-प्रकाश जैन अहमदाबाद करेंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर ज्ञानदीप पंडित अभयकुमार शास्त्री, देवलाली,डॉ. शांतिकुमार पाटिल, जयपुर के मुख्य प्रवचनों का लाभ सभी को मिलेगा साथ ही आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी एवं डॉ. हुकमचंद भरत के वीडियो प्रवचनों का प्रसारण भी किया जाएगा इसके अतिरिक्त पंडित कमलचंद जैन, पिड़ावा, डॉ. शुद्धात्मप्रभा टड़ैया, मुंबई, पंडित स्वानुभव शास्त्री, खनियाधाना की कक्षाओं का भी लाभ षिविरार्थियों को मिलेगा। षिविर में इस दौरान देशभर से 500 लोगों के आसपास श्रद्धालुओं की भाग लेने की संभावना है।